भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.08.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2590 का उत्तर

हथुआ रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ियों की अनुपलब्धता

2590. डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या हथुआ रेलवे स्टेशन से पंचदेवरी तक पटरी का कार्य पूरा हो चुका है लेकिन उसके आगे भटनी जंक्शन तक का कार्य अभी भी लंबित है जिसके कारण हथुआ रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ियां उपलब्ध नहीं होतीं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या हथुआ रेलवे स्टेशन पर मिल रोड के अंडरपास का कार्य पूरा न होना भी हथुआ रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ी उपलब्ध न होने का कारण है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) बिहार के गोपालगंज जिले में लंबित सभी रेल पटरियों को पूरा करने के लिए निर्धारित समय का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

हथुआ रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ियों की अनुपलब्धता के संबंध में दिनांक 07.08.2024 को लोक सभा में डॉ. आलोक कुमार सुमन के अतारांकित प्रश्न सं. 2590 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): रेलवे ने हथुआ-भटनी (80 किमी) नई लाइन परियोजना शुरू की है। हथुआ-पंचदेवरी (31 किमी) खंड चालू हो गया है। वर्तमान में, हथुआ स्टेशन पर 07 जोड़ी यात्री सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनमें हथुआ-पंचदेवरी खंड पर चलने वाली 05241/42 हाजीपुर-पंचदेवरी पैसेंजर भी शामिल है। इसके अलावा, भारतीय रेल पर नई रेल सेवाएं शुरू करना एक सतत प्रक्रिया है जो यातायात औचित्य, परिचालन व्यवहार्यता और प्रतिस्पर्धी मांगों आदि के अध्यधीन है।

मिल रोड पर इस तरह का कोई अंडरपास निर्माण कार्य स्वीकृत/निर्माणाधीन नहीं है, जो हथुआ रेलवे स्टेशन पर गाड़ी परिचालन को बाधित कर रही हो।

रेल परियोजनाओं की स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है न कि राज्य/जिला-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं विभिन्न राज्यों/जिलों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, गोपालगंज जिले सहित बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 79,356 करोड़ रुपए की लागत वाली 5,064 किलोमीटर कुल लंबाई की 55 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (31 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 22 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 1,194 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 26,983 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। जिनमें शामिल हैं:-

- **(i) 43,536 करोड़ रुपए की लागत वाली 2,712 किलोमीटर कुल लंबाई की 31 नई लाइन परियोजनाएं, जिनमें से 464 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक 13,629 करोड़ रुपए का व्यय जा चुका है।**
- **(ii) 2,690 करोड़ रुपए की लागत वाली 348 किलोमीटर कुल लंबाई की 02 आमान परिवर्तन परियोजनाएं, जिनमें से 288 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक 1,520 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है।**
- **(ii) 33,130 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 2004 किलोमीटर कुल लंबाई की 22 दोहरीकरण परियोजनाएं, जिनमें से 442 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक 11,834 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है।**

वर्ष 2014 से, भारतीय रेल पर परियोजनाओं के लिए निधि आबंटन और उसके तद्नुरूपी कमीशनिंग में पर्याप्त वृद्धि हुई है। बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	बजट परिव्यय	2009-14 के औसत वार्षिक आबंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	1,132 करोड़ रुपए प्रति वर्ष	-
2023-24	8,505 करोड़ रुपए	7 गुना से अधिक
2024-25	10,033 करोड़ रुपए	8 गुना से अधिक

इसके अतिरिक्त, बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले रेलखंडों (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) को कमीशन करने की स्थिति निम्नानुसार है:-

अवधि	की गई कुल कमीशनिंग	औसत कमीशनिंग	2009-14 के औसत आबंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	318 किमी.	64 किमी. प्रतिवर्ष	-
2014-24	1,669 किमी.	167 किमी. प्रतिवर्ष	2 गुना से अधिक

रेल परियोजना/ओं का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वानिकी स्वीकृतियां, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थिति, परियोजना/ओं स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु दृष्टिकोण से परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना/ओं के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

******